चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 07 मई 2026, अंक –273.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

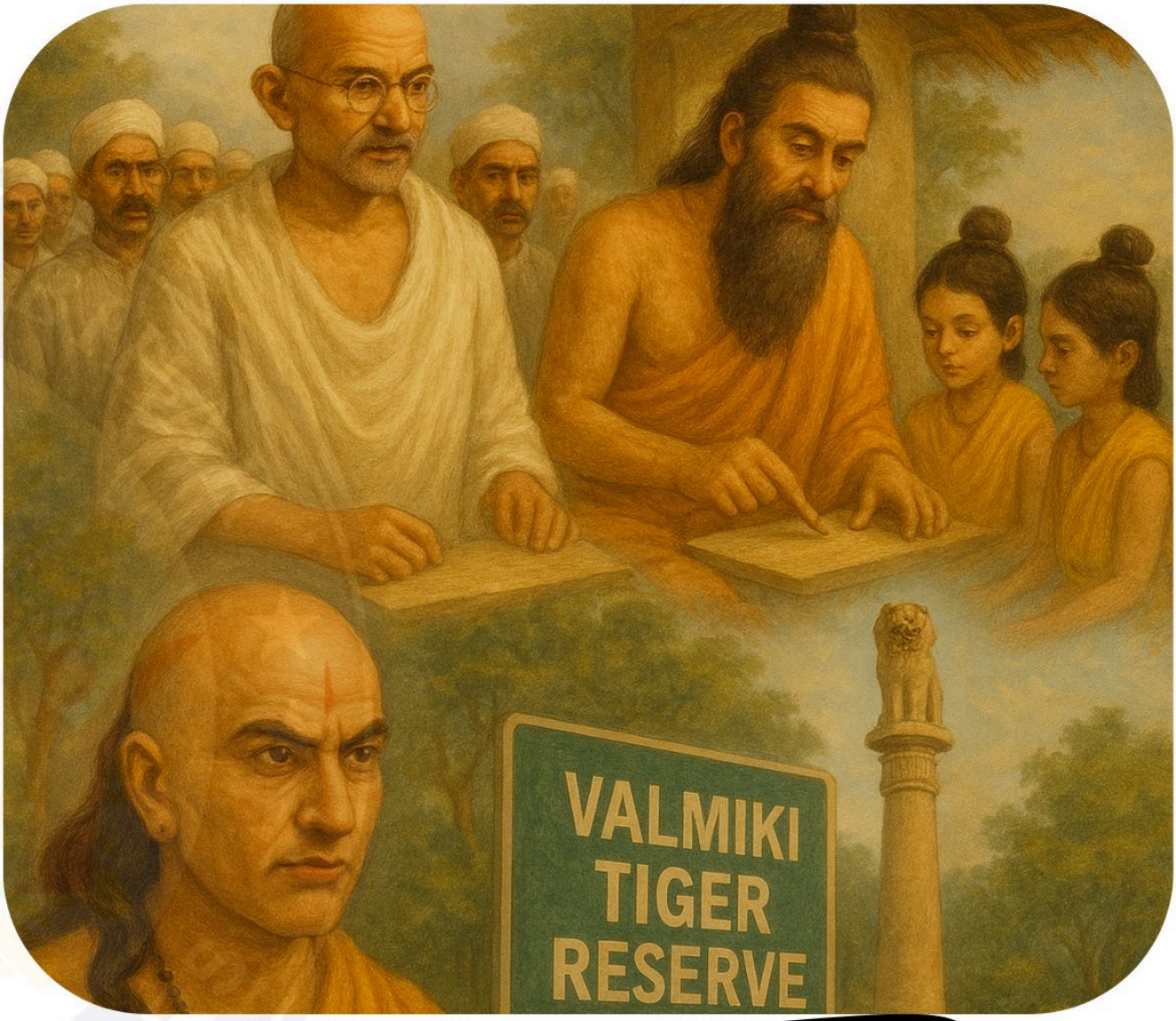

"महान कार्य ताकत से नहीं, बल्कि निरंतरता से किए जाते हैं।" — सैम्युअल जॉनसन

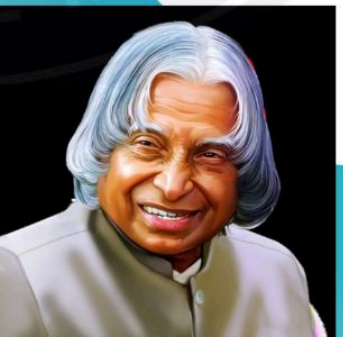

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूंगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अंश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. दक्षिण कोरिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: सियोल
प्रश्न 2. भारत के पहले अंतरिम राष्ट्रपति कौन थे?
उत्तर: डॉ. राजेंद्र प्रसाद
प्रश्न 3. बथुकम्मा पर्व किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: तेलंगाना
प्रश्न 4. 45 को 9 से भाग देने पर क्या प्राप्त होगा?
उत्तर: 5
प्रश्न 5. बिहार में गंगा नदी पर बना महात्मा गांधी सेतु किन दो शहरों को जोड़ता है?
उत्तर: पटना–हाजीपुर
प्रश्न 6. कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 7. सिलाई मशीन में फुट-पेडल प्रणाली किसने विकसित की?
उत्तर: आइजैक सिंगर
प्रश्न 8. भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है?
उत्तर: राष्ट्रपति
प्रश्न 9. 'सुन्दरता' शब्द किस प्रकार का संज्ञा है?
उत्तर: भाववाचक
प्रश्न 10. सूर्य ग्रहण कब होता है?
उत्तर: अमावस्या

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Bed – (बेड) – बिस्तर
Pillow – (पिलो) – तकिया
Blanket – (ब्लैंकेट) – कंबल
Lamp – (लैम्प) – दीपक / लैंप
Switch – (स्विच) – स्विच
Fan – (फैन) – पंखा
Mirror – (मिरर) – आईना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "मैं ... नहीं रहा/रही हूँ" (I am not ...ing)

मैं पढ़ नहीं रहा/रही हूँ। – I am not reading.
मैं लिख नहीं रहा/रही हूँ। – I am not writing.
मैं खेल नहीं रहा/रही हूँ। – I am not playing.
मैं खा नहीं रहा/रही हूँ। – I am not eating.
मैं सीख नहीं रहा/रही हूँ। – I am not learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 07 मई को आधुनिक भारत के किस महान कवि, लेखक और नोबेल पुरस्कार विजेता की जयंती मनाई जाती है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: रवीन्द्रनाथ टैगोर
व्याख्या: 7 मई 1861 को कोलकाता में जन्मे गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर 'गीतांजलि' के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार (1913) पाने वाले पहले एशियाई थे। उन्होंने भारत और बांग्लादेश दोनों देशों के राष्ट्रगान की रचना की। उनके विचार शिक्षा और मानवतावाद के विश्वव्यापी प्रतीक हैं।
संदर्भ: संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार (2026)।

2. हाल ही में 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा' (IMEC) के कार्यान्वयन हेतु किस बंदरगाह को प्रमुख केंद्र बनाया गया है? (समसामयिकी)
उत्तर: कांडला (दीनदयाल)
व्याख्या: मई 2026 में भारत सरकार ने गुजरात के कांडला बंदरगाह को IMEC गलियारे के लिए रणनीतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। यह व्यापारिक मार्ग भारत को यूरोप से जोड़ता है, जो आर्थिक भूगोल और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Economic Times / PIB News, May 2026.

3. प्रसिद्ध व्याकरण ग्रंथ 'महाभाष्य' के रचयिता कौन हैं? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: पतंजलि
व्याख्या: महर्षि पतंजलि ने 'महाभाष्य' की रचना की थी, जो पाणिनी की अष्टाध्यायी पर एक विस्तृत टीका है। यह ग्रंथ संस्कृत व्याकरण के शुद्धतम स्वरूप और प्राचीन भारतीय भाषाई कौशल को समझने के लिए अनिवार्य स्रोत है। यह प्रश्न अक्सर लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में पूछा जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 6 New Questions and Ideas, p. 55.

4. 'सतत विकास लक्ष्य' (SDG) 13 का मुख्य उद्देश्य क्या है? (पर्यावरण)
उत्तर: जलवायु कार्रवाई
व्याख्या: SDG-13 'Climate Action' से संबंधित है, जो जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान करता है। यह लक्ष्य 2030 तक प्राप्त किया जाना है और वैश्विक पर्यावरण नीतियों का मुख्य केंद्र है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 1 Environment (SDG Reference Box).

5. जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कहाँ हुआ था? (इतिहास)
उत्तर: कुंडग्राम (वैशाली)
व्याख्या: भगवान महावीर का जन्म लगभग 2500 वर्ष पूर्व वैशाली के निकट कुंडग्राम में हुआ था। उन्होंने अहिंसा और सत्य का संदेश दिया। जैन धर्म का यह इतिहास भारतीय दर्शन और प्राचीन समाज को समझने का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 6 New Questions and Ideas, p. 60.

"सामान्य-ज्ञान"

6. 'मानचित्र' पर नीले रंग का उपयोग किसे दिखाने के लिए किया जाता है? (भूगोल)
उत्तर: जलाशय/जल
व्याख्या: मानचित्रों में एक समान प्रतीकों का उपयोग किया जाता है। नीले रंग का प्रयोग समुद्र, नदी, झील और अन्य जलाशयों को दर्शाने के लिए होता है। मानचित्र अध्ययन (Cartography) में रंगों का सही ज्ञान भूगोल की मूलभूत आवश्यकता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 4 Maps, p. 26.

7. भारतीय संविधान का 'रक्षक' या 'अभिभावक' (Guardian) किसे कहा जाता है? (संविधान)
उत्तर: उच्चतम न्यायालय (Supreme Court)
व्याख्या: भारत का सर्वोच्च न्यायालय संविधान की व्याख्या करता है और मौलिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करता है। यदि कोई कानून संविधान का उल्लंघन करता है, तो न्यायालय उसे रद्द कर सकता है। यह न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति लोकतंत्र का आधार है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Civics, Ch 5 The Judiciary, p. 56.

8. 'रेशम' (Silk) प्राप्त करने के लिए रेशम के कीड़ों के पालन को क्या कहते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: सेरीकल्चर (Sericulture)
व्याख्या: रेशम के कीड़ों का व्यावसायिक पालन 'सेरीकल्चर' कहलाता है। रेशम के रेशे प्रोटीन से बने होते हैं। कृषि और उद्योग के इस संगम को समझना आर्थिक विज्ञान के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 3 Fibre to Fabric, p. 28.

9. प्रसिद्ध 'कतकली' नृत्य में मुखौटे और भारी मेकअप का प्रयोग होता है, यह किस राज्य का है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: केरल
व्याख्या: कतकली केरल का एक शास्त्रीय नृत्य-नाटक है। इसमें कलाकार अपनी आँखों और चेहरे की भंगिमाओं से कहानी कहते हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत के पौराणिक विषयों पर आधारित होता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, p. 126.

10. बिहार के किस जिले में 'उदयपुर वन्यजीव अभ्यारण्य' (Udaypur Wildlife Sanctuary) स्थित है, जो गंडक नदी के किनारे एक प्रमुख जैव-विविधता केंद्र है? (बिहार GK)
उत्तर: पश्चिम चम्पारण
व्याख्या: यह अभ्यारण्य मुख्य रूप से पक्षियों और जलीय जीवों के लिए प्रसिद्ध है। इसे स्थानीय स्तर पर 'सरेया मन' झील के नाम से भी जाना जाता है। यह बाल्मीकि टाइगर रिजर्व के पास स्थित है और बिहार की प्राकृतिक सुंदरता को जीवंत करता है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; SCERT बिहार कक्षा 9 भूगोल।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, रसोई में गैस रिसाव (Leakage) होने पर सबसे पहले क्या करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: खिड़की-दरवाजे खोलें
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (मई W1) अग्नि सुरक्षा के अनुसार, गैस रिसाव होने पर बिजली के स्विच न छुएं और तुरंत खिड़की-दरवाजे खोल देने चाहिए ताकि गैस बाहर निकल जाए। यह आग लगने के खतरे को टालने का प्राथमिक सुरक्षा उपाय है।
संदर्भ: बिहार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) अग्नि सुरक्षा मॉड्यूल 2026.

12. एक दौड़ में, आप तीसरे स्थान पर चल रहे धावक को पीछे छोड़ देते हैं। अब आप किस स्थान पर हैं? (रीजनिंग)
उत्तर: तीसरे (3rd)
व्याख्या: यह तर्क का प्रश्न है। जब आप 'तीसरे स्थान' वाले व्यक्ति को पीछे छोड़ते हैं, तो आप स्वयं उसके स्थान पर आ जाते हैं, यानी अब आप 'तीसरे' नंबर पर हैं। पहले और दूसरे स्थान वाले अभी भी आपसे आगे हैं।
संदर्भ: Kids Logic & Mental Math (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Astute (अस्ट्यूट) = Sharp / Clever = चतुर / सूझबूझ वाला
🔁 Antonym – Foolish = मूर्ख
2. Boast (बोस्ट) = Brag / Show off = शेखी बघारना
🔁 Antonym – Humble = विनम्र रहना
3. Comprehend (कॉम्प्रिहेंड) = Understand / Grasp = समझना
🔁 Antonym – Misunderstand = गलत समझना
4. Dwindle (ड्विंडल) = Decrease / Shrink = घट जाना
🔁 Antonym – Increase = बढ़ना
5. Empathy (एम्पैथी) = Compassion / Understanding = सहानुभूति
🔁 Antonym – Indifference = उदासीनता

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-Vayu 2.0' project; India to deploy 5,000 indigenous 'High-Density' Air Quality Sensors in major cities.
प्रधानमंत्री ने 'भारत-वायु 2.0' परियोजना का उद्घाटन किया; भारत प्रमुख शहरों में 5,000 स्वदेशी 'हाई-डेंसिटी' वायु गुणवत्ता सेंसर तैनात करेगा।

ISRO successfully completes 'Deep-Space Network' upgrade; enhances communication capacity for upcoming Venus Mission (Shukrayaan).
इसरो ने 'डीप-स्पेस नेटवर्क' अपग्रेड को सफलतापूर्वक पूरा किया; यह आगामी शुक्रयान मिशन के लिए संचार क्षमता को बढ़ाएगा।

Ministry of Education and NCERT launch 'Vidya-Sangam' portal to facilitate real-time resource sharing between Kendriya Vidyalayas and State Schools.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने केंद्रीय विद्यालयों और राज्य के स्कूलों के बीच वास्तविक समय में संसाधन साझा करने हेतु 'विद्या-संगम' पोर्टल लॉन्च किया।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'Global Cyber-Defense Pact'; mandates unified protocols to protect critical energy infrastructure from AI-threats.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'वैश्विक साइबर-रक्षा समझौता' अपनाया; ऊर्जा बुनियादी ढांचे को एआई-खतरों से बचाने के लिए एकीकृत प्रोटोकॉल अनिवार्य किए गए।

BBC News: G20 Finance Ministers agree on 'Carbon-Tax Credits' for developing nations to accelerate transition to Solar-Hydrogen.
बीबीसी न्यूज़: G20 वित्त मंत्रियों ने सोलर-हाइड्रोजन की ओर परिवर्तन को तेज करने के लिए विकासशील देशों हेतु 'कार्बन-टैक्स क्रेडिट' पर सहमति व्यक्त की।

World Health Organization (WHO) issues 'Global Alert' on new Respiratory Virus variant; calls for rapid genomic sequencing across 40 countries.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने नए श्वसन वायरस वेरिएंट पर 'ग्लोबल अलर्ट' जारी किया; 40 देशों में तेजी से जीनोमिक सीक्वेंसिंग का आह्वान।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Climate Resilience Centre' in Bhagalpur to mitigate agricultural risks in the Gangetic basin.
बिहार सरकार गंगा के मैदानी इलाकों में कृषि जोखिमों को कम करने के लिए भागलपुर में 'जलवायु लचीलापन केंद्र' स्थापित करेगी; BPSC हेतु महत्वपूर्ण।

SCERT Bihar launches 'Shikshak Samvad 2026' to provide digital pedagogical support to 2 lakh teachers via AI-based app.
एससीईआरटी बिहार ने एआई-आधारित ऐप के माध्यम से 2 लाख शिक्षकों को डिजिटल शिक्षण सहायता प्रदान करने हेतु 'शिक्षक संवाद 2026' शुरू किया।

SPORTS NEWS

India secures Silver Medal at Asian Athletics Grand Prix 2026; Neeraj Chopra sets new meet record in Javelin Throw.
भारत ने एशियाई एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में रजत पदक जीता; नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में नया 'मीट रिकॉर्ड' बनाया।

Ministry of Youth Affairs and Sports launches 'Khelo India University Games 2026' schedule; focus on scientific talent scouting.
युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2026' के कार्यक्रम की घोषणा की; वैज्ञानिक प्रतिभा खोज पर विशेष ध्यान।

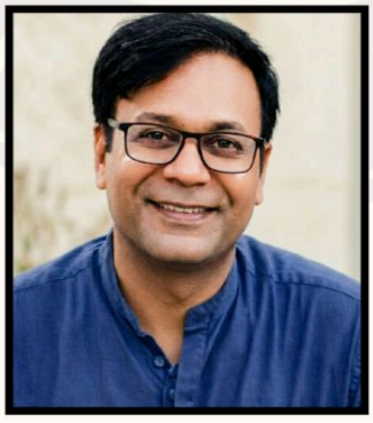

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक जीवनी

"गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर

भारत के महान कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और शिक्षाविद् रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता में हुआ था। बचपन से ही उन्हें साहित्य, संगीत और प्रकृति से विशेष प्रेम था। उनकी प्रतिभा इतनी अद्भुत थी कि छोटी उम्र में ही उन्होंने कविताएँ और कहानियाँ लिखना शुरू कर दिया था।

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपने जीवन में अनेक कविताएँ, गीत, कहानियाँ और नाटक लिखे। उनकी प्रसिद्ध काव्य रचना गीतांजलि के लिए उन्हें वर्ष 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। वे यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले पहले भारतीय और पहले एशियाई व्यक्ति बने। नोबेल समिति ने उनकी रचनाओं की संवेदनशीलता, सुंदरता और गहरी भावनाओं की विशेष प्रशंसा की थी।

महात्मा गांधी ने उन्हें प्रेमपूर्वक "गुरुदेव" की उपाधि दी थी। टैगोर जी केवल महान लेखक ही नहीं, बल्कि एक महान शिक्षाविद् भी थे। उनका मानना था कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों को प्रकृति, कला और जीवन से भी सीखना चाहिए। इसी उद्देश्य से उन्होंने विश्व भारती यूनिवर्सिटी की स्थापना की।

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्व के एकमात्र ऐसे रचनाकार हैं जिनकी रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं—भारत का "जन गण मन" और बांग्लादेश का "आमार सोनार बांग्ला"।

उनका जीवन हमें सिखाता है कि ज्ञान, रचनात्मकता और मानवता ही सच्ची महानता की पहचान हैं। आज भी उनके विचार और रचनाएँ करोड़ों लोगों को प्रेरणा देती हैं।

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

NCF के नवीनतम मानक — पाठ्यक्रम के बोझ से 'सीखने के आनंद' तक

शिक्षक साथियों, अक्सर हम 'पाठ्यक्रम' (Syllabus) और 'पाठ्यचर्या' (Curriculum) को एक ही समझ लेते हैं। पाठ्यक्रम का अर्थ है केवल वह विषय-वस्तु जो पढ़ानी है, जबकि 'पाठ्यचर्या' या NCF का अर्थ है—बच्चा स्कूल में क्या अनुभव करेगा, वह कैसे सीखेगा, शिक्षक कैसे पढ़ाएंगे और मूल्यांकन कैसे होगा। सरल शब्दों में, NCF वह 'संविधान' है जो हमारी कक्षाओं की कार्यप्रणाली तय करता है। नवीनतम NCF (2023-24) का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को 'किताबी' दुनिया से बाहर निकालकर 'वास्तविक' दुनिया से जोड़ना है।

NCF के नए मानकों के अनुसार, अब शिक्षा का केंद्र 'अंक' नहीं बल्कि 'सीखने के प्रतिफल' (Learning Outcomes) हैं। इसका अर्थ यह है कि सत्र के अंत में यह महत्वपूर्ण नहीं है कि बच्चे ने कितने पाठ खत्म किए, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि उसने उस विषय में क्या दक्षता हासिल की। NCF ने 'पंचकोष' की अवधारणा को पुनर्जीवित किया है, जो बच्चे के शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास पर समान जोर देता है। शिक्षक के लिए अब चुनौती यह है कि वह केवल 'सूचना प्रदाता' न रहे, बल्कि एक ऐसा वातावरण बनाए जहाँ बच्चा स्वयं ज्ञान का सृजन करे।

उदाहरण:

इसे एक कक्षा की गतिविधि से समझते हैं। मान लीजिए आप कक्षा 5 में 'स्वच्छता' का पाठ पढ़ा रहे हैं। पुराना तरीका यह था कि आप बोर्ड पर स्वच्छता के लाभ लिखवा देते और बच्चे उसे याद कर लेते। लेकिन NCF के नए मानकों के अनुसार, शिक्षक बच्चों को स्कूल परिसर का भ्रमण कराएगा। बच्चे स्वयं देखेंगे कि कहाँ कूड़ा है और वह क्यों है। वे समूहों में चर्चा करेंगे कि इस समस्या का समाधान क्या हो सकता है। यहाँ शिक्षक ने भाषण नहीं दिया, बल्कि बच्चों को 'अनुभव' करने और 'समाधान खोजने' का अवसर दिया। यहाँ 'पाठ' केवल किताब में नहीं रहा, वह बच्चे के व्यवहार और चेतना का हिस्सा बन गया। यही NCF का असली मानक है।

NCF ने मूल्यांकन में भी बड़े बदलाव किए हैं। अब परीक्षा केवल साल के अंत में होने वाला 'डर' नहीं है। शिक्षक को बच्चों का आकलन निरंतर (Continuous) करना है—खेलते समय, चर्चा करते समय और प्रोजेक्ट्स बनाते समय। 'होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड' इसी का एक हिस्सा है, जहाँ बच्चे के व्यवहार, उसकी रचनात्मकता और उसके सामाजिक गुणों को भी अंकों के समान ही महत्व दिया गया है। इसके अलावा, NCF स्थानीय भाषा और संस्कृति को शिक्षण का आधार बनाने पर जोर देता है, ताकि बच्चा अपनी जड़ों से जुड़ा रहे।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें 'पाठ्यपुस्तक' को अंतिम सत्य मानना छोड़ना होगा। पाठ्यपुस्तक केवल एक साधन है, साध्य नहीं। हमारा लक्ष्य बच्चे का समग्र विकास है। एक शिक्षक के रूप में हमारा संवर्धन तभी होगा जब हम अपनी शिक्षण पद्धति को लचीला बनाएंगे और बच्चे की स्वाभाविक जिज्ञासा को कक्षा में स्थान देंगे। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में बच्चा केवल 'सुन' रहा है या वह 'जी' रहा है?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या -48.

आधुनिक कृषि से समृद्धि – मैट्रिक केबाद 'बागवानी (हॉर्टिकल्चर)' में डिप्लोमा

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

अक्सर लोग सोचते हैं कि पुस्तकालय (Library) का अर्थ केवल किताबों की रखवाली करना है, लेकिन आज के डिजिटल युग में यह एक उच्च तकनीकी क्षेत्र बन चुका है। अब पुस्तकालय केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ई-बुक्स, डिजिटल डेटाबेस और सूचना केंद्रों में बदल चुके हैं। यदि आपने इंटरमीडिएट की परीक्षा दी है और आप एक व्यवस्थित, बौद्धिक और गरिमापूर्ण कैरियर की तलाश में हैं, तो 'लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस' आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

कोर्स का नाम: स्नातक स्तर पर इसे B.Lib.I.Sc. (Bachelor of Library and Information Science) कहा जाता है।

अवधि: आमतौर पर यह 1 वर्षीय स्नातक डिग्री कोर्स है (जो किसी भी विषय में स्नातक के बाद किया जाता है), लेकिन कई संस्थानों में इंटरमीडिएट के बाद डिप्लोमा (D.Lib) या सर्टिफिकेट कोर्सेज (C.Lib) भी उपलब्ध हैं।

अर्हता: इंटरमीडिएट (12वीं) किसी भी संकाय (कला/विज्ञान/वाणिज्य) से कम से कम 45-50% अंकों के साथ।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में पुस्तकालय विज्ञान की पढ़ाई के लिए कई प्रतिष्ठित केंद्र हैं:

प्रमुख संस्थान: पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (दरभंगा), और नालंदा खुला विश्वविद्यालय (NOU)। इसके अलावा इग्नू (IGNOU) से भी यह कोर्स पत्राचार के माध्यम से किया जा सकता है।

नामांकन: अधिकांश विश्वविद्यालयों में नामांकन मेरिट (अंकों के आधार पर) या प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

वेबसाइट: nou.ac.in और ignou.ac.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

पुस्तकालय विज्ञान के पेशेवरों के लिए सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में सम्मानजनक अवसर हैं:

सरकारी सेवा: स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, और सरकारी विभागों के पुस्तकालयों में 'लाइब्रेरियन' या 'असिस्टेंट लाइब्रेरियन' के रूप में। बिहार में बड़े पैमाने पर स्कूलों में पुस्तकालय अध्यक्षों की बहाली की प्रक्रिया भी चलती रहती है।

अन्य क्षेत्र: राष्ट्रीय संग्रहालयों, समाचार पत्र संस्थानों, शोध केंद्रों (जैसे ISRO, DRDO) और कॉर्पोरेट ऑफिसों में 'डॉक्यूमेंटेशन ऑफिसर' या 'सूचना विशेषज्ञ' के रूप में।

वेतन: सरकारी क्षेत्र में सातवें वेतनमान के अनुसार आकर्षक सैलरी मिलती है। निजी क्षेत्र में भी अनुभव के साथ वेतन बढ़ता है।

4. वित्तीय सहायता:

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: यदि आप किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से लाइब्रेरी साइंस में डिग्री या डिप्लोमा करते हैं, तो आप बिहार सरकार की इस योजना के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

छात्रवृत्ति: अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों के लिए राज्य सरकार के पोर्टल पर विशेष छात्रवृत्ति के प्रावधान हैं।

वेबसाइट: pmsonline.bih.nic.in

मेरी सलाह: अगर आपको पढ़ने का शौक है और आप ज्ञान को व्यवस्थित करने की कला सीखना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपको जीवन भर सीखने और समाज को शिक्षित करने का अवसर प्रदान करेगा।

कल के पत्र (संख्या 49) में हम मैट्रिक के बाद 'फूड प्रोसेसिंग और प्रिजर्वेशन' के माध्यम से खाद्य उद्योग में रोजगार के अवसरों की चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

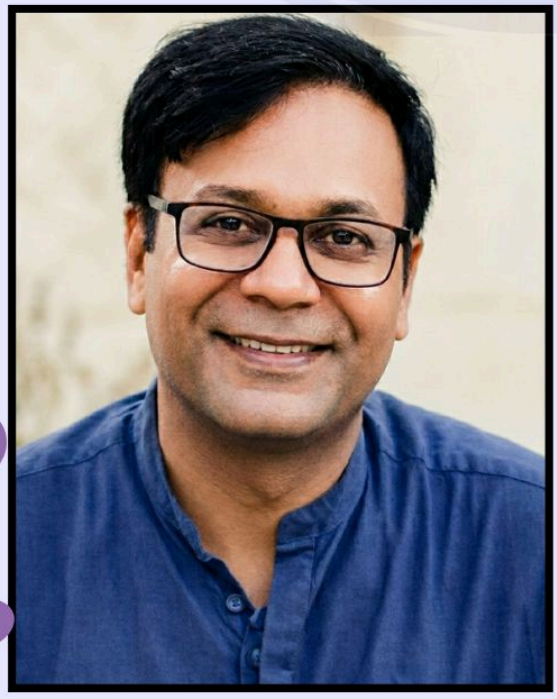

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org